Three days training program on 'Paddy harvesting, threshing, winnowing equipments and storage pest management for small land holders' at KVK Buxar during 5-7 Nov, 2020

5th – 7th November, 2020, Buxar

Three consecutive one day training cum demonstration programmes on "Paddy harvesting, threshing, winnowing equipments and storage pest management for small land holders" was organized at KVK, Buxar (ICAR RCER, Patna) under the project, Consortia Research Platform on Farm Mechanization and Precision Farming (CRP on FM & PF) from 5th to 7th November, 2020. During the training programme, the participants were briefed about various agricultural machinery suitable for paddy harvesting, threshing and winnowing by Sh Hari Govind. The farmers were also appraised about sustainable pest management for storing their produce by Sh Ramkewal. Dr Mandhata Singh informed the farmers about the custom hiring centre running at KVK Buxar and also about low cost motorized paddy cutter for small and marginal farmers. Dr P K Sundaram talked about the importance of machinery in timely harvesting of crop. Dr Deokaran encouraged the farmers to take up conservation agriculture techniques for increasing their soil health and thereby production. A total of 118 farmers over three days from different villages of Buxar district participated in the training cum demonstration programme.

20 farmers from Bomsa, and Chausa block, Buxar on 05.11.2020

54 farmers from Dalsagar, Itadhi, and Kukudha block, Buxar on 06.11.2020

44 farmers from Mahdah, Jagdishpur and Badki Basauli block, Buxar on 07.11.2020

Newspaper Coverage

बक्सर प्रभात | पटना, रविवार 08.11.2020 | प्रभात खबर | 05

अन्न भंडारण और कीटों से बचाव के बारे में अवगत हुए किसान

118 किसानों को कृषि तकनीक के बारे में दी गयी जानकारी

संवाददाता, बक्सर

लघु सीमांत किसानों को धान फसल की कटाई, मड़ाई व ओसाई के लिए प्रयुक्त आने वाले यंत्रों के उपयोग व रखरखाव तथा अन्न भंडारण में कीट व्याधि प्रबंधन की तकनीकी जानकारी देने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केंद्र बक्सर द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हो गया. प्रशिक्षण कार्यक्रम एक दिवसीय तीन टीमों को अलग-अलग दिवस 5 से 7 नवंबर तक केवीके परिसर में दिया गया. केंद्र के प्रभारी प्रमुख हरिगोविंद ने जानकारी दी कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से जिले के विविध गांवों से कुल 118 लघु सीमांत किसानों को तीन दिनों में प्रशिक्षण दिया गया. विविध कृषि यंत्रों जैसे की ब्रश कटर, कम्बाईन हार्वेस्टर, रीपर, रीपर बाईंडर, थ्रेसर, उड़ावन पंखा की उपयोग एवं रखरखाव की पूर्ण जानकारी इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों को दी. शनिवार के प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र बक्सर द्वारा चलायी जा रही विविध कृषि गतिविधियों की जानकारी केंद्र के प्रभारी प्रमुख एवं विशेषज्ञ रामकेवल द्वारा अन्न भंडारण में कीट व्याधि प्रबंधन की समुचित तकनीकी जानकारी से किसानों को अवगत कराया. विशेषज्ञ डॉ देवकरन तथा डॉ मान्धाता सिंह ने भी किसानों को रबी फसलों की बुआई में सीड ड्रील तथा जीरो टीलेज तकनीक से बुआई के बारे में विस्तृत जानकारी दी. कार्यक्रम में पटना से आये वैज्ञानिक डॉ प्रेम कुमार सुदरम ने सुपर सीडर, जीरो टील सीडड्रिल, एवं अन्य आधुनिक कृषि उपयोग यंत्रों की जानकारी प्रतिभागियों को दी. इसके अतिरिक्त केंद्र द्वारा चलायी जा रही कस्टम हायरिंग सेंटर के अन्तर्गत विभिन्न यंत्रों का प्रदर्शन एवं उपयोग की जानकारी मनोज सिन्हा तथा अनुकूल प्रकाश द्वारा किसानों को दी. कार्यक्रम में पन्ना देवी, बासमती देवी, रेणु देवी, फूलवसिया देवी, मंजू देवी, सरस्वती देवी, अमर कुमार खरवाड़, विनोद कुमार सिंह, हरेराम पांडेय, दीपक कुमार, विकास प्रताप सिंह, सत्य प्रकाश सिंह, अजय कुमार सिंह, राकेश सिंह, रामप्रकाश, आदि किसान उपस्थित थे.

कृषि विज्ञान केंद्र में प्रशिक्षण लेते जिले के किसान.

पटना। रविवार • 8 नवम्बर • 2020 6

राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com

त्रिदिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

बक्सर (एसएनबी)। लघु सीमांत किसानों को धान फसल की कटाई, मड़ाई व ओसाई हेतु प्रयुक्त आनेवाले यंत्रों के उपयोग, रखरखाव तथा अन्न भंडारण मे कीट व्याधि प्रबंधन की तकनीकी जानकारी देने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केन्द्र, बक्सर द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की परियोजना "सी.आर.पी. ऑन एफ.एम. एण्ड पी.एफ." के अन्तर्गत आयोजित तीन दिवसीय (5 नवंबर से 7 नवंबर तक) कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। केन्द्र के प्रभारी प्रमुख हरिगोबिंद ने जानकारी दी कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से जिले के विविध गाँवों से कुल 118 लघु सीमांत किसानों को तीन दिनो मे प्रशिक्षण दिया गया। विविध कृषि यंत्रों जैसे कि ब्रश कटर, कम्बाईन हार्वेस्टर, रीपर, रीपर बाईडर, थ्रेसर, उड़ावन पंखा, आदि की उपयोग एवं रखरखाव की पूर्ण जानकारी इस कार्यक्रम मे प्रतिभागियों को दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम मे किसानों को कृषि विज्ञान केन्द्र बक्सर द्वारा चलाई जा रही विविध कृषि गतिविधियों की जानकारी केन्द्र के प्रभारी प्रमुख एवं विशेषज्ञ रामकेवल द्वारा अन्न भंडारण मे कीट व्याधि प्रबंधन की समूचित तकनीकी जानकारी से किसानों को अवगत कराया। विशेषज्ञ डॉ0 देवकरन तथा डॉ0 मान्धाता सिंह ने भी किसानों को रबी फसलों की बुआई मे सीड ड्रील तथा जीरो टीलेज तकनीक से बुआई के बारे मे विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में भा...अनु.प. का पूर्वी अनुसंधान परिसर पटना से आये वैज्ञानिक डॉ0 प्रेम कुमार सुदरम् ने सुपर सीडर, जीरो टील सीडड्रिल, एवं अन्य आधुनिक कृषि उपयोग यंत्रों की जानकारी प्रतिभागियों को दी। कार्यक्रम मे श्रीमती पन्ना देवी, बासमती देवी, रेणु देवी, फूलवसिया देवी, मंजू देवी, सरस्वती देवी, श्री अमर कुमार खरवाड़, बिनोद कुमार सिंह, हरेराम पाण्डेय, दीपक कुमार, विकास प्रताप सिंह, सत्य प्रकाश सिंह, अजय कुमार सिंह, राकेश सिंह, रामप्रकाश, आदि किसान उपस्थित थे तथा केन्द्र के श्री आरिफ परवेज, विकास कुमार, अफरोज सुल्तान, भरत राम, रवि चटर्जी, सरफराज अहमद खान आदि ने सहयोग किया।

प्रशिक्षण में शामिल किसान।

पहल • कृषि विज्ञान केंद्र डुमरांव में चल रहा किसानों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

कृषि यंत्रों के संचालन का बताया तरीका

सिटी रिपोर्टर | बक्सर

लघु सीमांत किसानों को धान फसल की कटाई, मड़ाई व ओसाई हेतु प्रयुक्त आनेवाले यंत्रों के उपयोग व रखरखाव तथा अन्न भंडारण मे कीट व्याधि प्रबंधन की तकनीकी जानकारी देने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केन्द्र, बक्सर द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की परियोजना सीआरपी ऑन एफएमएण्ड पीएफ के अन्तर्गत आयोजित तीन एक दिवसीय (5 से 7 नवंबर 2020) कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। केन्द्र के प्रभारी प्रमुख हरिगोविंद ने जानकारी दी कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से जिलें के विविध गांवों मे कुल 118

केवीके में प्रशिक्षण के दौरान यंत्रो के बारे में जानकारी देते वैज्ञानिक।

लघु सीमांत किसानों को तीन दिनो मे प्रशिक्षण दिया गया। विविध कृषि यंत्रो जैसे कि बश कटर, कम्बाइन हार्वेस्टर, रीपर, रीपर बाईडर, थ्रेसर, उड़ावन पंखा, आदि की उपयोग एवं रखरखाव की पूर्ण जानकारी इस कार्यक्रम मे प्रतिभागियों को दी गई। आज के प्रशिक्षण कार्यक्रम मे किसानों को कृषि विज्ञान केन्द्र बक्सर द्वारा चलाई जा रही विविध कृषि गतिविधियों की जानकारी केन्द्र के प्रभारी प्रमुख एवं विशेषज्ञ श्री रामकेवल द्वारा अन्न भंडारण मे कीट व्याधि प्रबंधन की समुचित तकनीकी जानकारी से किसानों को अवगत कराया। विशेषज्ञ डॉ. देवकरन तथा डॉ. मान्धाता सिंह ने भी किसानों को रबी फसलों की बुआई मे सीड ड्रील तथा जीरो टीलेज तकनीक से बुआई के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस कार्यक्रम में भाकृअनुप का पूर्वी अनुसंधान परिसर पटना से आये वैज्ञानिक डॉ. प्रेम कुमार सुंदरम् ने सुपर सीडर, जीरो टील सीडड्रिल, एवं अन्य आधुनिक कृषि उपयोग यंत्रों की जानकारी प्रतिभागियों को दी। इसके अतिरिक्त केन्द्र द्वारा चलाई जा रही कस्टम हायरिंग सेंटर के अन्तर्गत विभिन्न यंत्रों का प्रदर्शन एवं उपयोग की जानकारी श्री मनोज सिन्हा तथा अनुकूल प्रकाश द्वारा किसानों को दी गई। कार्यक्रम मे पन्ना देवी, बासमती देवी, रेणु देवी, फूलवसिया देवी, मंजू देवी, सरस्वती देवी, अमर कुमार खरवार, बिनोद कुमार सिंह, हरेराम पाण्डेय, दीपक कुमार, विकास प्रताप सिंह, सत्य प्रकाश सिंह, अजय कुमार सिंह, राकेश सिंह, रामप्रकाश, आदि किसान उपस्थित थे।